वित्तीय स्वीकृति/आयोजनागत

संख्याः /XVII(2)/2008-09(23)/2008

प्रेषक,

राधा रतूड़ी
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

म0 स0, या0 वि0 एवं सैनिक कल्याण अनुभाग देहरादूनः दिनांक 17 अप्रैल, 2008

विषयः चालू वित्तीय वर्ष 2008–09 के आय–व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या–15 के आयोजनागत पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्याः 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008–09 के आय–व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या–15 के आयोजनागत पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों को संलग्नक के अनुसार **रुपये 51,50,000/– (रुपये इक्कावन लाख पचास हजार मात्र)** की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2008–09 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश में प्राविधानित एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:–

1. वित्त अनुभाग–1 के शासनादेश संख्याः 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
3. आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशियों का व्यय निर्धारित परिव्यय की सीमा के अंतर्गत ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित अन्य धनराशियों हेतु नियमानुसार मांग प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
5. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
6. आय–व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
7. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
8. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वह वेतन आदि के संबंध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के संबंध

में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या–15 तथ आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार, कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।

9. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिये यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिदिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।

10. मितव्ययता के संबंध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

11. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

12. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत समय–सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

13. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।

14. समस्त चालू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/सापटेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलबध कराएं।

15. बी0एम0–13 पर संकलित मासिक सूचनाऐं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

16. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008–09 के आय–व्ययक के अनुदान संख्या–15 के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 162-(1)/XVII(2)/2008-09(23)/2008 तद्दिनांकित।
प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. निजी सचिव–मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव–मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढवाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग–03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)
सचिव।

शासनादेश संख्याः 162/XVII(2)/2008–09(23)/2008, दिनांक 17 अप्रैल, 2008 का संलग्नक

1. अनुदान संख्या — आयोजनागत — मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235–60–200–03–0304
मुख्य शीर्षक : 2235–सामजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 60–अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक : 200–अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक : 03–सैनिक कल्याण
ब्यौरेवार शीर्षक : 0304–सैनिक महिला प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र की स्थापना

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
42–अन्य व्यय	200
योग	200

2. अनुदान संख्या — आयोजनागत — मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235–60–200–03–0311
मुख्य शीर्षक : 2235–सामजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 60–अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक : 200–अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक : 03–सैनिक कल्याण
ब्यौरेवार शीर्षक : 0311–पूर्व सैनिकों/उनके आश्रितों के पुनर्वास हेतु कौशल वृद्ध एवं रोजगार परक प्रशिक्षण

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
42–अन्य व्यय	2000
योग	2000

3. अनुदान संख्या — आयोजनागत — मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235–60–200–03–0314
मुख्य शीर्षक : 2235–सामजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 60–अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक : 200–अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक : 03–सैनिक कल्याण
ब्यौरेवार शीर्षक : 0314–उत्तराखण्ड पुलिस एवं आर्म्स फोर्सेज सहायता संस्थान को अनुदान

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
20–सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	1000
योग	1000

4. अनुदान संख्या — आयोजनागत — मतदेय

लेखाशीर्षक	:	2235–60–200–03–0391
मुख्य शीर्षक	:	2235–अन्य सामजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	:	60–अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक	:	200–अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक	:	03–सैनिक कल्याण
ब्यौरेवार शीर्षक	:	0391–भूतपूर्व सैनिकों के पुत्रों को सेना/पुलिस में भर्ती हेतु पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना (जिला योजना)

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
01–वेतन	750
08–कार्यालय व्यय	50
09–विद्युत व्यय	75
10–जलकर/जल प्रभार	75
11–लेखन सामग्री और फर्मों की छपाई	75
12–कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	75
17–किराया, उपशुल्क और कर–स्वामित्व	100
31–सामग्री और सम्पूर्ति	750
योग	1950

(धनराशि हजार रुपये में)

महायोग	5150

(रुपये इक्कावन लाख पचास हजार मात्र)

(राधा रतूड़ी)
सचिव।